भजन

तर्ज–सुनी जो उनके आने की आहट

बना के कारण क्या खूबसूरत,ये साथ अपना बुलाया तुमने
है तेरी मेहर मेरे धनी ये, दीदार सबका कराया तुमने

1–कैसे करें हम इनका स्वागत,ना इनके काबिल है कोई वस्तु
है अपना नाता आतम का इनसे,चरणों मे पलकें बिछाई हमने

2–ये ही है मिलने का इक बहाना,ये लाड अपना दिखाया तुमने
बिन रूहों के रह नही सकते,ये राज अपना बताया तुमने

3–न सुध तुम्हारी न प्रीत सैयन,भूले हुए थे हम तो सभी कुछ
जो तन तुम्हारे है ये धनी मेरे,अपना निजसुख दिखाया तुमने

4–तुमहो धनी मेरे मैं तेरी अंगना,ये अपना नाता निभाया तुमने
तेरी इनायत है ये पिया जी,भूले जिसे थे वो पाया हमने

5–मिलना बिछुड़ना कब तक रहेगा,ये खेल क्यों अब और बढ़ाया
ना हो जुदाई जहाँ हम सबकी, हटा दो दिल से जो दिखाया तुमने